इस अंक में...

कौतुककारी कूपकथा...5

कूप निर्माण के पुण्यफल...8

कहां खोते जा रहे हैं कूप संस्कार...10

कूप : जल, जीवन आधार...12

सामाजिक रस का भंडार : कुएं...14

जांगलप्रदेश में कूप संस्कृति...16

बस्तर का सदियों पुराना जलस्रोत : चुआं...18

कहां खोई अब वो डगर पनघट की ?...24

कुओं पर कोई शोकगीत नहीं...25

पनघट, पणिहारी और वीणा...28

पनघट को चली पनिहारी रे...30

जेठ मास...33

तंजावुर का ब्रहदेश्वर मंदिर...34

पानी रे पानी तेरा रंग कैसा...36

संगीत की विरासत को बचाने वाले...40

गम गई ईंडूणी...42

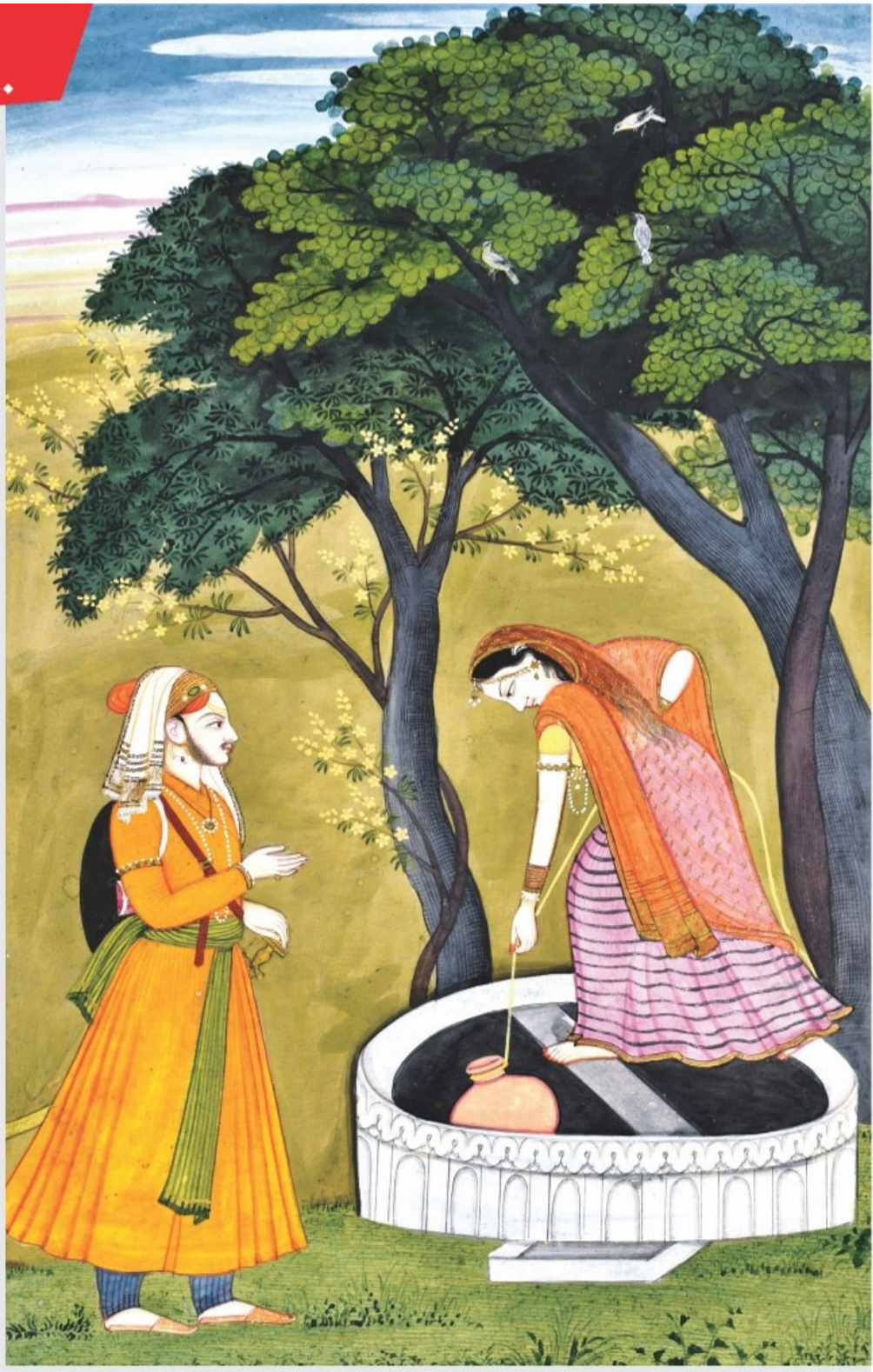

चित्र सौजन्य : दलजीत कौर

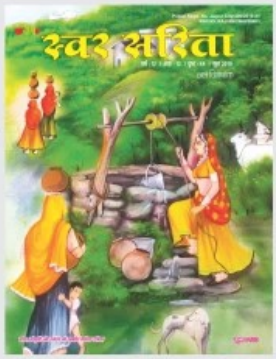

आवरण चित्र सौजन्य : जितेन्द्र आर. शर्मा

प्रधान सम्पादक: **के.सी. मालू**
सम्पादक : **डॉ. देवदत्त शर्मा**
प्रबंध सम्पादक : **हेमजीत मालू**

स्वर सरिता में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, आवश्यक नहीं कि सम्पादक मण्डल उनसे सहमत हो।

सम्पर्क सूत्र
सम्पादक, स्वर सरिता, वीणा प्रकाशन, हल्दिया हाउस, जौहरी बाजार, जयपुर-302003
फोन : 2570517, 2572666
website
http://www.veenaswarsarita.com
mail
veenaprakashan@gmail.com

स्वत्त्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी के.सी. मालू (केशरीचन्द मालू) द्वारा दी डायमण्ड प्रिंटिंग प्रेस, 9, एम.एस.बी. का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर से मुद्रित तथा वीणा प्रकाशन, हल्दिया हाउस, जौहरी बाजार, जयपुर-302003 से प्रकाशित।